Seat No. : _____

MO-210

May-2025

B.A., Sem.-IV

CC-213 : Hindi

(हिन्दी सगुण भक्ति और रीति-काव्य का इतिहास)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

1. रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि रामानन्द और नाभादास का परिचय दीजिए । **14**

अथवा

1. रामभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताओं को समझाइए । **14**

2. कृष्ण भक्ति काव्यधारा की प्रवृत्तियों को सोदाहरण समझाइए । **14**

अथवा

2. अष्टछाप के कवियों का परिचय दीजिए । **14**

3. रीतिकाल के नामकरण को सविस्तार समझाइए । **14**

अथवा

3. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए । **14**

4. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **14**

(क) प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान, कहौ
कैसे रहैं प्रान जौ अनखि अरसायहौ ।
तुम तो उदार दीन हीन आनि परयौ द्वार,
सुनियै पुकार याहि कौ लौ तरसायहौ ।
चातिक है रावरो, अनोखो मोह-आवरो
सुजान-रूप बावरो, बदन दरसायहौ ।
बिरह नसाय, दया हिय मैं बसाय, आय
हाय ! कब आनंद को घन बरसायहौ ।।

अथवा

आँखैं जो न देखैं, तौ कहा हैं कछु दुखित ये
ऐसी दुखहानि की दसा आय देखियै ।
प्रानन के प्यारे जान रूप-उजियारे, बिना
मिलन तिहारे इन्हैं कौन लेखें लेखियै ।
नीर न्यारे मीन और चकोर चंदहीन हूँ ते
अति ही अधीन दीन गति मति पेखियै ।
हौ जू घनआनँद ढरारे रसभरे भारे
चातिक बिचारे सों न चूकनि परेखियै ।।

(ख) यह बिनती रघुबीर गुसांई,
और आस बिस्वास भरोसो, हरो जीव जडताई,
चहौं न कुमति सुगति संपति कछु, रिधि सिधि बिपुल बड़ाई,
हेतू रहित अनुराग राम पद बढै अनुदिन अधिकाई,
कुटील करम लै जाहिं मोहिं जहं जहं अपनी बरिआई,
तहं तहं जनि छिन छोह छांडियो कमठअंड की नाईं-,
या जग में जहं लगि या तनु की प्रीति प्रतीति सगाई,

अथवा

म्हारो प्रणाम बांके बिहारी जी ।
मोर मुकुट माथ्यां तिलक बिराज्यां, कुण्डल अलकां कारी जी ।
अधर मधुर धर बंसी बजावां, रीझ रीझावां व्रज नारी जी ।
यह छबि देख्यां मोह्यां मीरा, मोहन गिरवर धारी जी ।।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **सात** प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए : **14**

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने भक्तिकाल का समय कौन सा निर्धारित किया है ?
(a) संवत् 1375 से 1700 तक (b) संवत् 1050 से 1375 तक
(c) संवत् 1700 से 1900 तक (d) संवत् 1200 से 1400 तक

(2) 'रामचरितमानस' के रचनाकार कौन हैं?
(a) सूरदास (b) बिहारी
(c) तुलसीदास (d) नाभादास

(3) इनमें से कौन सी कति नाभादास की है ?
(a) रसिकप्रिया (b) रामचंद्रिका
(c) रसानंद (d) भक्तमाल

(4) 'दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता' कृति के रचनाकार इनमें से कौन हैं ?

(a) वल्लभाचार्य (b) विठ्ठलनाथ

(c) सूरदास (d) गोकुलदास

(5) इनमें से सूरदास का सर्वाधिक प्रामाणिक ग्रंथ कौन सा माना जाता है ?

(a) कृष्णचरित (b) सूरसागर

(c) उद्धव शतक (d) भ्रमर गीत

(6) रसखान का मूल नाम (पूरा नाम) क्या है ?

(a) मोहम्मद शेख रसखान (b) असगर पठान रसखान

(c) सैयद इब्राहिम रसखान (d) युसुफ सैयद रसखान

(7) 'बिहारी सतसई' में कुल कितने दोहे संकलित है ?

(a) 719 (b) 519

(c) 770 (d) 1021

(8) इनमें से किसने रीतिकाल को 'अलंकृत काल' नाम दिया है ?

(a) मिश्रबन्धु (b) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद

(c) आ. रामचंद्र शुक्ल (d) त्रिलोचन

(9) 'भावविलास' कृति के रचनाकार कौन हैं ?

(a) कवि देव (b) बिहारी

(c) केशवदास (d) मतिराम

(10) 'देव-तू दयालु, दीन हौं, तू दानि, हौं भिखारी....' यह पद इनमें से किसका है ?

(a) सूरदास (b) मीरांबाई

(c) तुलसीदास (d) घनानंद

(11) 'हेरी म्हां दरद दिवाणी म्हारा दरद न जाण्यां कोय ।' – यह पद किसका है ?

(a) बिहारी (b) मीरांबाई

(c) कवि देव (d) रैदास

(12) 'लाजनि लपेटी चितवनि भेद-भाँय-भरी, लसति. ललित लोल-चख-तिरछानि मैं ।'

(a) तुलसीदास (b) केशवदास

(c) नंददास (d) घनानंद